यूपी की चीनी मिलों को आर्थिक संकट का भय

नई दिल्ली (ब्यूरो)। जबरदस्त उत्पादन के बावजूद चीनी की कमजोर खपत और लंबे समय से कीमतों में स्थिरता का रुख होने से उत्तर प्रदेश की मिलों को जबरदस्त आर्थिक संकट का भय सता रहा है। मिलों के मुताबिक 24 अप्रैल तक हुई गन्ने की खरीद का उन पर लगभग 4200 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया हो चुका है। हाल ही उच्चतम न्यायालय ने मिलों को गन्ने के बकाया भुगतान को तीन किस्तों में करने का आदेश दिया है। जिसके तहत मिलों को पहली बतौर किस्त 7 मई को देनी है। इसके अतिरिक्त अदालत के एक अन्य आदेश पर उन्हें वर्ष 2006-07 और 2007-08 का भी लगभग 900 करोड़ का भुगतान भी किसानों को करना है। इस बीच, संगठन ने 25 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को पत्र लिखकर मौजूदा स्थिति से अवगत कराते हुए आर्थिक मदद की गुहार लगायी है। मिलों का कहना है कि बैंको ने कर्ज देने से साफ मना कर दिया है। ऐसे में पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत गन्ने के बकाया का भुगतान करना मुश्किल हो गया है। उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन के मुताबिक चालू पेराई सीजन में ऊंचे गन्ना मूल्य के चलते मिलों को लगभग 3660 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है।

- चालू सीजन का 4200 करोड़ से ज्यादा करना है गन्ने का भुगतान